अनुक्रमणिका

प्राक्कथन

पहला अध्याय : सामाजिक न्याय : अवधारणा तथा वैचारिक आधार 1–32

1.1 सामाजिक : अर्थ तथा परिभाषा

1.1.1 शाब्दिक अर्थ

1.1.2 परिभाषा

1.2 न्याय : अर्थ तथा परिभाषा

1.2.1 शाब्दिक अर्थ

1.2.2 परिभाषा

1.2.3 पाश्चात्य दृष्टिकोण

1.3 सामाजिक न्याय : अर्थ तथा परिभाषा

1.3.1 शाब्दिक अर्थ

1.3.2 परिभाषा

1.3.3 पाश्चात्य दृष्टिकोण

1.4 भारतीय परंपरा के अनुसार सामाजिक न्याय

1.5 सामाजिक न्याय की अवधारणा

1.6 भारतीय संविधान में गर्भित सामाजिक न्याय

1.7 सामाजिक न्याय का वैचारिक आधार

1.7.1 कार्ल मार्क्स : वर्ग चेतना

1.7.2 भीमराव अंबेडकर

1.7.3 हिंदू समाज के विविध प्रसंग

1.7.4 जाति-व्यवस्था

1.7.5 अस्पृश्यता

1.7.6 स्त्री संबंधी विचार

1.7.7 आरक्षण

1.8 निष्कर्ष

दूसरा अध्याय : समकालीन हिंदी कहानी का संक्षिप्त इतिहास (सन् 1971–2000) **33–56**

2.1 भूमिका

2.1.1 समांतर कहानी

2.1.2 सक्रिय कहानी

2.1.3 जनवादी कहानी

2.1.4 शुद्ध कहानी

2.1.5 इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानी

2.2 इक्कीसवीं सदी : युग परिवेश

2.2.1 राजनीतिक परिस्थितियाँ

2.2.2 सामाजिक परिस्थितियाँ

2.2.3 आर्थिक परिस्थितियाँ

2.2.4 धार्मिक व सांस्कृतिक परिस्थितियाँ ।

2.3 निष्कर्ष

तीसरा अध्याय : इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानी : प्रमुख कहानीकार **57–84**

3.1 भूमिका

3.1.1 अल्पना मिश्र

3.1.2 अवधेश प्रीत

3.1.3 अनिता गोपेश

3.1.4 अमरीक सिंह 'दीप'

3.1.5 इन्दु बाली

3.1.6 एस॰ आर॰ हरनोट

3.1.7 उर्मिला शिरीष

3.1.8 ओमप्रकाश वाल्मीकि

3.1.9 अंजु दुआ जैमिनी

3.1.10 कविता

3.1.11 चन्द्रकिरण सौनरेक्सा

3.1.12 चन्द्रकांता

3.1.13 चित्रा मुद्गल

3.1.14 जया जादवानी

3.1.15 दयानंद बटोही

3.1.16 दीपक शर्मा

3.1.17 नमिता सिंह

3.1.18 नीला प्रसाद

3.1.19 नूर जहीर

3.1.20 पंखुरी सिन्हा

3.1.21 बानो सरताज

3.1.22 भगवानदास मोरवाल

3.1.23 मनीषा कुलश्रेष्ठ

3.1.24 मृदुला गर्ग

3.1.25 मंजु शर्मा 'वनिता'

3.1.26 मुशर्रफ आलम जौकी

3.1.27 मुक्ता

3.1.28 मो॰ आरिफ

3.1.29 मैत्रेयी पुष्पा

3.1.30 यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'

3.1.31 रतिलाल शाहीन

3.1.32 रत्नकुमार सांभरिया

3.1.33 रंजना जायसवाल

3.1.34 राजेन्द्र बड़गूजर

3.1.35 विनोद कालरा

3.1.36 श्योराज सिंह बेचैन

3.1.37 सन्तोष गोयल

3.1.38 सुभाष नीरव

3.1.39 सुमति सक्सेना लाल

3.1.40 सुशीला टाकभौरे

3.1.41 सुधा अरोड़ा

3.1.42 सुरेखा सिन्हा

3.1.43 सूरजपाल चौहान

3.1.44 सूर्यबाला

3.1.45 ज्ञानप्रकाश विवेक

3.2 अन्य प्रमुख कहानीकार

चौथा अध्याय : इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानी : सामाजिक न्याय का स्त्री संदर्भ **85–196**

4.1 भूमिका : स्त्री संदर्भ : सामाजिक अन्याय

4.1.1 पितृसत्तात्मक व्यवस्था

4.1.2 कन्या भ्रूण हत्या

4.1.3 कामकाजी नारी के प्रति अन्याय

4.1.4 घुटन व प्रताड़ना

4.1.5 संपत्ति से बेदखली

4.2 महिला सशक्तिकरण : स्त्री संदर्भ का न्याय पक्ष

4.3 निष्कर्ष

पांचवां अध्याय : इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानी : सामाजिक न्याय का दलित संदर्भ **197–312**

5.1 भूमिका : दलित संदर्भ : सामाजिक अन्याय

5.1.1 अस्पृश्यता के स्तर पर

5.1.2 मैला ढ़ोने के स्तर पर

5.1.3 शिक्षा व आरक्षण के स्तर पर

5.1.4 रोजगार के स्तर पर

5.1.5 मानाधिकार के स्तर पर

5.1.6 अंतर्जातीय विवाह के स्तर पर

5.2 दलित सशक्तिकरण : दलित संदर्भ का न्याय पक्ष

5.3 निष्कर्ष

छठा अध्याय : उपसंहार **313–320**

संदर्भ ग्रंथ सूची **321–332**

(अ) आधार ग्रंथ

(आ) सहायक ग्रंथ

(इ) शब्द कोश ग्रंथ

(ई) पत्र एवं पत्रिकाएं